MHNHC-2.2

Sl. No.

II Semester M.A. Degree Examination, April/May - 2026

HINDI

(प्राचीन एवं मध्यकालीन हिन्दी काव्य)

(CBCS SLM Scheme)

Time : 3 Hours **Maximum Marks : 80**

Instructions to Candidates :-

All Sections are compulsory.

SECTION - A

I. किन्हीं चार की सप्रसंग व्याख्या कीजिए। **(4×5=20)**

1. ''साहस सत्त वष सिप सरल, सफल आदि मुनि दिव्य
   घट बढ मन कोउ पढौ मोहि दूषित बसिव्य
   सहस सत्त रूपक सरम, गुन सुन्दर बहु वित्त।
   ले–पुस्तक कवि चंद को दिय माता बहु रित।।
2. दिव्यत पंथ पंथ दिल्ली दिसान
   रूष भयौ सूक जब मिलयौ आँन।
   संदेश सुनत आनंद नैन।
   उमडिया बाल मनमय्य सैन।।
3. जल में कुंभ, कुंभ में जल है
   बाहर भीतर पानी।
   फूट कुंभ, जल जलहिं समाना
   यह तत कथेहु व्यिानी।।
4. हेरत हेरत हे सखी गया कबीर हिराय।
   बूँदी सयानी समुद्र में सो कत होरी जाय।।
5. अरू कहि नयन नीर भरि गहि पद कंचित गात।
   नाथ भजहु रघुनाथ ही अचल होड अहिबात।।
6. बुरा जो देखन मैं चला बुरा न मिलिया कोय।
   जो दिल खोजो आपना मुझसा बुरा न कोय।।

[P.T.O.

SECTION - B

II. किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लिखिए। **(3×10=30)**

7. 'पद्मावती समय' के विभिन्न वस्तु–वर्णन पर लेख लिखिए।

8. विद्यापति की पदावली की विशेषताओं की समीक्षा कीजिए।

9. जायसी के रहस्याद पर प्रकाश डालिए।

10. पठित गद्यांश के आधार पर धनानंद की विरहानुभूति का विवेचन कीजिए।

11. पृथ्वीराज रासो के आधार पर पद्मावती के रूप सौंदर्य का वर्णन कीजिए।

SECTION - C

III. किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखिए। **(2×15=30)**

12. कबीर और जायसी के रहस्यवाद की विशेषताओं का विवेचन कीजिए।

13. पद्मावत का कथा सार लिखते हुए, उसकी विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

14. 'विद्यापति भक्त कवि है या श्रृंगारी'? पठित पदावली के आधार पर सिद्ध कीजिए।

15. पठित पद्यांश के आधार पर बिहारी काव्य में अभिव्यक्त श्रृंगारिकता का विवेचन कीजिए।